विश्व मृदा दिवस 2024

स्रोत: द हिंदू

विश्व मृदा दिवस प्रतिवर्ष **5 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ मृदा** पर ध्यान केंद्रित करना तथा मृदा संसाधनों के **सतत् प्रबंधन का समर्थन** करना है।

- **विषय:** मृदा की देखभाल: मापना, निगरानी करना, प्रबंधन करना (Caring for soils: measure, monitor, manage)।
- इसे दिसंबर 2013 में **संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाया गया था** तथा पहला **विश्व मृदा दिवस 5 दिसंबर 2014 को मनाया** गया था।
  - 5 दिसंबर को **थाईलैंड के दिवंगत राजा भूमिबोल अदुल्यादेज (King Bhumibol Adulyadej)** की जयंती मनाई जाती है, जो इस पहल के प्रमुख समर्थक थे।
- **संरक्षण प्रयास:** भारत में **मिट्टी बचाओ आंदोलन 1977** में मध्य प्रदेश के **होशंगाबाद (नर्मदापुरम)** में **तवा बाँध** के कारण होने वाले **मृदा क्षरण के** खिलाफ शुरू हुआ ।
  - हमारा **95% से अधिक भोजन मिट्टी से आता है** । इसके अलावा वे पौधों के लिये आवश्यक 18 प्राकृतिक रासायनिक तत्त्वों में से 15 की आपूर्ति करते हैं।
- **सतत् मृदा प्रबंधन पद्धतियाँ: न्यूनतम जुताई, फसल चक्र, जैविक पदार्थ का प्रयोग तथा आवरण फसल।**

और पढ़ें: वैश्विक मृदा सम्मेलन 2024 और भारत में मृदा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-soil-day-2024